बाल विज्ञान पत्रिका
मार्च 2010

चकमक

एक बार चाँद सो रही थी।

रात होने वाली थी। चाँद ने आँखें खोलीं और मुस्कुराने लगी। तारे भी हँसने लगे और रात हो गई। रात में परियाँ उड़ने लगीं। चारों ओर खुशी फैली थी।

सुबह हुई तो चाँद रोने लगी। यह देखकर सूरज हँसने लगा। चाँद बहुत गुस्सा हो गई और तभी बादल गरजने लगे और तेज़ बारिश होने लगी।...

(शेष भाग कवर दो पर...)

मूल्य 20